भूख न लगती हो

इस आयत को 41 बार पढ़कर खाने पर दम करके उसे मरीज़ को खिला दें-

هُوَ يُطْعِمُنِيْ وَ يَسْقِيْنِ ۝

हु-व युत़-इ़मुनी व यस्क़ीन०

(सूरः शुअ़रा, 79)

तर्जुमाः- "वह (अल्लाह) मुझको खिलाता पिलाता है।"